<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 2380

08 जुलाई, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग के लिए वित्तीय सहायता

2380. श्री रमेश चन्द्र कौशिकः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि वित्तीय सहायता के लिए इस्पात निर्माण उद्योग सरकार पर निर्भर हो रहा है क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं तथा सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या इस्पात क्षेत्रक को घरेलू संसाधनों से कच्चा माल मिल रहा है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा इस्पात क्षेत्रक को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए इसकी क्षमता बढ़ाने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): जी नहीं।

(ख): प्रश्न नहीं उठता।

(ग) और (घ): भारतीय इस्पात क्षेत्र लौह अयस्क और नॉन-कोकिंग कोल की अधिकांश आवश्यकता को घरेलू रूप से पूरा करता है। तथापि, एकीकृत इस्पात उत्पादकों द्वारा ब्लास्ट फर्नेस में उपयोग किए जाने वाले 85% से अधिक कोकिंग कोल का आयात किया जाता है क्योंकि 8-12% राख की मात्रा वाले कोकिंग कोल घरेलू रूप से उपलब्ध नहीं हैं। इसी प्रकार, इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस एवं इंडक्शन फर्नेस में उपयोग होने वाले मेल्टिंग स्क्रैप का लगभग 30% आयात किया जाता है क्योंकि देश में स्क्रैप का पर्याप्त उत्पादन नहीं किया जाता है।

(ङ): प्रश्न नहीं उठता।

****